

Campaign to Stop Violence Against Women

An effort made by Mitanins to stop violence against women



STATE HEALTH RESOURCE CENTRE, RAIPUR

CHHATTISGARH

Campaign to stop violence against women

An effort made by Mitanins to stop violence against women

Violence occurs with a woman in our country in every 2 minutes

Violence and crime against women has taken a terrible form. Girls and women are forced to live under the shadow of violence at every step. Women are not safe anywhere in this world whether they are at the farm-quarry, industry, office, police station, school, security area or hospital. The women are not even safe at home. The means of verbal, physical and digital violence against women like discrimination, assault, molestation, rape, murder have taken away the right to equality and respect from women.

Right to equality is a special right in the Indian Constitution as a fundamental right. Right to Equality tells us that no person (female/male) can be discriminated against on the basis of birth, place, religion, caste or sex. Gender based discrimination is an important factor in women's violence and in the right to equality. Violence against women occurs as a result of discrimination against women. Even after the long struggle of the women's movement, it is difficult for the women to get the Right to equality they do not get any support from the family, community and society.

Violence against Women – Women Health and Mitanin Programme

Health has been included as a major gender issue in the Mitanin program since 2002. Apart from this, Chhattisgarh is the first state which has included violence against women in Mitanin programme Management Information System (MIS) as an essential index. Under the Mitanin program, an attempt has been made to explain the social inequality of women's health in the form of women's violence to the general public through Mitanins.

Campaign to stop Violence against women

Violence against women is one of the most important factors contributing towards poor health status of women. Physical and mental violence against women directly affects the health of women negatively. Under the Mitanin Programme, attempt has been made to

information the community about existing laws and as a result women in villages and cities are coming forward in protesting against violence against women. The Mitanin Programme is working in the direction of the women's movement to create an equal society, to stop violence against women in a planned and powerful way.

Major Activities of the Campaign

Training –Prior to the campaign, a leaflet was prepared on gender discrimination, causes



and form of violence against women, laws relating to violence against women and expected role of community and Mitanin to oppose any form of such violence. Further ToT for the District Coordinators, Block Level Coordinators, Mitanin trainers was organized and later Mitanins were trained.

महिला हिंसा

क

ई महिलाओं के साथ उनके पति अथवा परिवार के सदस्यों द्वारा मारपीट की जाती है। किन्तु यह उनका पारिवारिक मामला है, यह सोचकर लोग अक्सर मदद के लिए आगे नहीं आते। परन्तु पति या परिवार वालों द्वारा महिला के साथ की जा रही शारीरिक या मानसिक प्रताड़ना को रोकना भी समाज की जिम्मेदारी है।

मितानिन एवं समुदाय द्वारा पीड़ित महिला की मदद के लिए क्या किया जाना चाहिए :-

1. पीड़ित महिला के पास जाकर उसकी बात सुनना चाहिए, उसको मदद का विश्वास दिलाना चाहिए। उसे समझाना चाहिए कि यह घरेलू मामला नहीं बल्कि सामाजिक मामला है।
2. पति से भी बात करके उसे समझाना चाहिए।
3. पंचायत और पारा की बैठक करके महिला को मदद करने और पति को समझाने की कोशिश करनी चाहिए।
4. बार-बार ऐसी घटना होने पर पुलिस थाने और कानूनी मदद लेनी चाहिए।

औरतों को जो मारेगा, जेल की हवा स्वाएगा !

महिला हिंसा को रोकने के लिए क्या करना चाहिए ?

लड़कियों को सिखाना :-

- लड़कियों को बोझ नहीं समझना चाहिए, उन्हें लड़के के बराबर अधिकार देना चाहिए
- उन्हें शिक्षा देकर आत्म निर्भर बनाना चाहिए, साहसी बनाना
- 18 वर्ष से पहले शादी नहीं करें, खेलने-कूदने की आजादी देनी चाहिए



लड़कों को सिखाना :-

- जिस तरह से लड़कियों को एक अच्छी पत्नि और माता बनने के लिए समझाया जाता है। उसी तरह लड़कों को भी एक अच्छा पति और पिता बनने के लिए समझाना चाहिए

जाग गईं भईं, जाग गईं, नारी शक्ति जाग गईं !

- पिता कभी माता का अपमान न करें और न ही प्रताड़ित करें क्योंकि भवष्यि में लड़का भी उन्हीं आदतों को अपनायेगा
- महिलाओं का सम्मान करना सिखाएं

घरेलू हिंसा पर रोक का कानून :-

शासन द्वारा घरेलू हिंसा से महिला का संरक्षण कानून 2005 बनाया गया है। यह कानून बहुत महत्वपूर्ण है। महिलाएं इस कानून का सहारा लेकर घरेलू हिंसा से अपना बचाव कर सकती हैं।

इस कानून के तहत महिला को उपलब्ध राहत :-

1. गंभीर स्थिति में हिंसा करने वाले को घर से हटने का आदेश भी दे सकती है। इसका मतलब है कि पीड़ित महिला को घर से नहीं निकाला जा सकता, बल्कि पुरुष को घर छोड़कर जाना पड़ेगा
2. अगर मां चाहे तो बच्चों को मां के साथ रहने का आदेश मिल सकता है

शिकायत कहां करें :- थाना, कोर्ट, अथवा महिला एवं बाल विकास विभाग अधिकारी

औरतों ने अब यह ठाना है, हिंसा मुक्त जीवन पाना है !

क्र.	अपराध	कानून (भा.द.वि)	अधिकतम सजा (जेल)
1.	मारपीट	323	1 वर्ष
2.	गंभीर चोट पहुंचाना	325	7 वर्ष
3.	औरत को शालीनता भंग करने की हिंसा या जबरदस्ती करना	354	2 वर्ष
4.	पहली पत्नि के जीवित रहने दूसरी शादी करना	494	7 वर्ष
5.	पति या उसके रिश्तेदारों द्वारा विवाहित स्त्री पर क्रूरता	498	5 वर्ष
6.	महिला की शालीनता को अपमानित करने की मंशा से अपशब्द या अश्लील हरकतें करना	509	1 वर्ष
7.	आत्महत्या के लिए दबाव डालना	304	10 वर्ष
8.	दहेज मृत्यु	304 (बी)	7 वर्ष से आजीवन जेल
9.	नाबालिक लड़की को अपने कब्जे में रखना	344-ए	10 वर्ष
10.	अपहरण, भागना या औरत को शादी के लिए मजबूर करना	366	10 वर्ष
11.	बलात्कार	376	आजीवन, 10 वर्ष जेल
12.	वैध विवाह के बिना धोखाधड़ी से शादी की रस्म पूरी करना	496	2 वर्ष
13.	18 वर्ष से कम उम्र की लड़की तथा 21 वर्ष से कम उम्र के लड़के का विवाह बाल अपराध है	धारा-3 बाल विवाह अवरोध अधिनियम 1929	15 दिन
14.	बाल विवाह से संबंध माता-पिता संरक्षक के लिए दण्ड	धारा-6 बाल विवाह अवरोध अधिनियम 1929	15 दिन
15.	दहेज लेने वे देने के लिए	धारा-4 दहेज प्रतिबंध अधिनियम 1961	6 माह से 2 वर्ष
16.	दहेज मांगने के लिए दण्ड	धारा-4 दहेज प्रतिबंध अधिनियम 1961	6 माह से 2 वर्ष
छ.ग. टोनही प्रताड़ना अधिनियम			
17.	यदि कोई व्यक्ति किसी की किसी भी माध्यम से टोनही के रूप में पहचान करता है	धारा-4	3 वर्ष
18.	कोई व्यक्ति स्वयं या अन्य द्वारा टोनही के रूप में पहचान व्यक्ति को शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करता है या नुकसान पहुंचाता है	धारा-5	5 वर्ष
19.	टोनही के रूप में पहचाने हुए व्यक्ति की ड्राइफ़ूक टोटका तंत्र-मंत्र से उपचार करने का दावा करने पर	धारा-6	5 वर्ष
20.	टोनही होने का दावा करने पर	धारा-7	1 वर्ष

औरतों का है अधिकार, अब न सहेंगे अत्याचार !

Compilation of data on violence against women

Through the programme MIS, data on number of women victim who were helped by the Mitanins was compiled. The districtwise achievement is given below (March – December 2020)

No.	District	Number of women helped by Rural Mitanins	Number of women helped by Urban Mitanins
1.	Balod	238	
2.	Balodabazaar	490	8
3.	Balrampur	839	
4.	Bastar	334	49
5.	Bemetara	66	
6.	Bijapur	353	
7.	Bilaspur	492	71

8.	Dantevada	190	
9.	Dhamtari	88	40
10.	Durg	61	148
11.	Griyaband	228	
12.	Janjgir	171	
13.	Jashpur	288	
14.	Kanker	159	8
15.	Kawardha	127	5
16.	Kondagaon	120	
17.	Korba	140	57
18.	Koriya	128	46
19.	Mahasamund	494	9
20.	Mungeli	281	7
21.	Narayanpur	53	
22.	Raigarh	471	52
23.	Raipur	390	299
24.	Rajnandgaon	198	45
25.	Sukma	307	
26.	Surajpur	257	
27.	Sarguja	418	43
Total		7381	887

महिला हिंसा के खिलाफ रैली निकालकर किया जागरुक

कांकेर। मधुसे

महिला हिंसा के विरोध में ज लोनों में इससे प्रति जागरुकता लाने के लिए जागरुकता रैली का आयोजन किया गया। रैली अखनगर बार्ड से शुरू हुई जो नगरीयात होते हुए बुनिय्यादरा पहुँची। इस दौरान बौर और नारी के माध्यम से लोनों में जागरुकता लाने का प्रयास किया गया।

सुबहार सुबह प्यारह बजे प्रहारी मिलानि कार्यक्रम के लहत मिलानिनी के द्वारा अखनगर बार्ड से जागरुकता रैली का आयोजन किया गया। रैली के माध्यम से लोनों में महिलाओं के प्रति कर रही हिंसा की रोकथाम के लिए लोनों में जागरुकता लाने का प्रयास किया गया। जिसमें मिलानिनी व बड़ी संख्या में बार्ड की महिलाओं भी शामिल हुई। जागरुकता रैली में नगरपालिका के निर्य लोनों की जागरुक करने का प्रयास भी किया गया। साथ ही नारी के



महिला हिंसा के खिलाफ जागरुक करती महिलाएँ।

कांकेर। मधुसे

शहर के मिलानिनी ने किया कार्यक्रम का आयोजन

माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, नियोजना, प्लेनरिंग, कवर, एचआईवी, पीएचडी, टीकाकरण, पोषण, महिलाओं की सुरक्षा, परिवार नियोजन, जल सफाई और शौचालय के उपयोग के संबंध में जानकारी भी लोनों को नारी के माध्यम

से दी गई। रैली में समीट जगेश्वरी बघु, सुदरला मसीह, अलकबाड़ी करवीकली लता नायर, मिलानिनी सुबबा यादव, साकुन धुव, उषा किरण मिश्र, ज्योता देहली, मीना साहू, लक्ष्मी जगेश, शिल्पेश साहू, इर्ष साहू, पुष्पा विशालवती, मंजू मिश्रा, नारायणी साहू, कुन्ती पतिराज, मन्ना पाण्डेय, प्रेमलता शर्मा, सुरिया कोराम, सुनली पटेल शामिल हुए।

Wall writing - Violence against women is wrong and women have become aware about their social and legal rights. Efforts were made to make people aware of women's awareness and their rights by writing a pictorial wall of various forms of women's violence and laws made for women's safety and justice in village-village by Mitanins, swasth panchayat samanvayak.



“महिला हिंसा सम्बंधित जानकारी”

अपराध	काबूत भा. द. वि.	अधिकतम सजा (जेल)
1. मारपीट	323	1 वर्ष
2. नग्नता/पहचान	325	2 वर्ष
3. पति की शारीरिक शक्ति का उपयोग करके हिंसा या उत्पीड़ना करना	354	2 वर्ष
4. पति या पति के जीवित रहते दूसरी शादी करना	494	7 वर्ष
5. पति या पति के जीवित रहते दूसरी शादी करना	498	5 वर्ष
6. पति या पति के जीवित रहते दूसरी शादी करना	509	1 वर्ष
7. महिला की शारीरिक शक्ति का उपयोग करके हिंसा या उत्पीड़ना करना	304	10 वर्ष
8. शराब पीकर	304 (बी)	7 वर्ष या जेल
9. शराब पीकर	344 ए	10 वर्ष
10. शराब पीकर	366	10 वर्ष
11. शराब पीकर	376	आजीवन या 7 वर्ष जेल
12. शराब पीकर	496	2 वर्ष
13. शराब पीकर	धारा-323 के तहत-1091	15 दिन
14. शराब पीकर	धारा-323 के तहत-1091	6 माह से 2 वर्ष
15. शराब पीकर		6 माह से 2 वर्ष



**महिला को जो टोनाही कहेंगा,
उ साल की जेल सहेगा !**
● ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति होडीटोला ●

Rally – “Mahila ko jo marega – Jail ki hava khaega, sharab pina chhod do sharab ki botal fod do”. Along with the slogans, members of Village Health, Sanitation and Nutrition Committee, Mitanins and village women and school children took out a rally in the village and told everyone that women have woken up and will not tolerate violence.





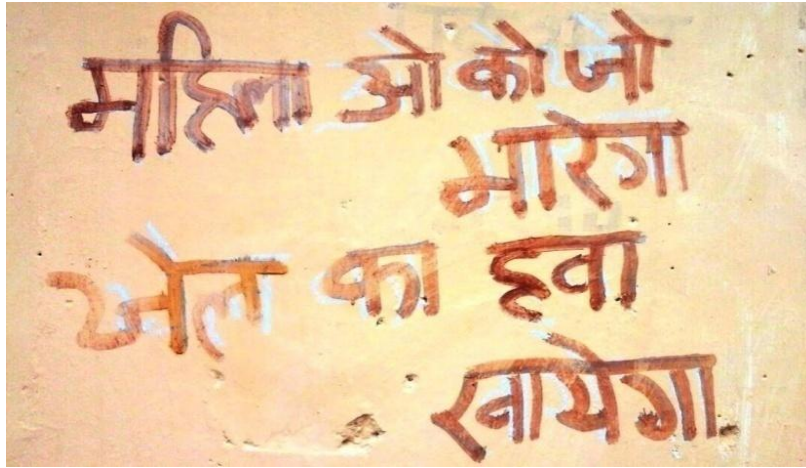
Street play - Street plays were held in the city and villages to eliminate social inequality towards women's health. Mitanin, the members of Village Health, Sanitation and Nutrition Committee and Mahila Arogya Samiti showed the violence against women in the main places of the village through street plays, in which they showed that violence against women is a crime and there is a very strict law for it.





Conclusion - Violence against women campaign through Mitanin program is being organized every year in all the districts of the state as an effective community programme. Under this campaign, the community, especially women, have broken their silence against violence and raised their voice outside the house for equality and respect in their para, locality and village. In the rallies and programmes organised for the rights of the women, the panch and sarpanchs of the Panchayat, and from the administrative staff - teachers, doctors, development officers of the women and child development and workers of Mitanin programme also participated. During the campaign, the Mitanins wrote slogans - "mahilao ko jo marega jail ki hawa khayega" outside the house of those women who were victims of violence. Along with this, a committee has been formed at the state level to provide justice to women. Children also actively participate in this campaign. The effect of the campaign is being seen in every village. Due to the efforts of the Mitanins, violence against women is discussed and complaints are being made in the police station, and in some cases of violence against women justice has been served by family and community discussions. This is a step forward in giving equal rights to the women.

Abhi to ye angdayi hai aage aur ladhayi hai



Success story of efforts made by Mitanins, Village Health, Sanitation and Nutrition Committee and Mahila Arogya Samiti to stop violence against women :

Violence against Women is not a personal matter it concern of the entire society
Village Rengola, Panchayat Rengola, Para Banslanghana, Development Block
Jashpur (Lodam) District Jashpur

A husband and wife lived near the house of the para's mitanin Neelam's. After drinking alcohol, the Husband used to abuse and beat his wife every day and he used to doubt his wife too. Habitually one day after drinking alcohol the husband started abusing his wife and the wife told him to not abuse her and beat her. The husband could not tolerate his wife's answer, he caught his wife and beat her with a stick till she became unconscious. The people of para were watching him beating his wife brutally but no one dared to stop him. On hearing the sound of quarrel, Mitanin Neelam ran to their house and saw that the husband was digging a pit in the courtyard and burying his wife. Mitanin scolded the man, and then the man went out of the courtyard abusing Mitanin saying that it is their personal matter, you have no say anything to us. Mitanin quickly removed the soil and took the woman out and gave water to the woman. Seeing the condition of the woman, Mitanin sent her to her maternal home. After a week, during the meeting of the Village Health, Sanitation and Nutrition Committee, the Mitanin shared the whole incident with

the MT Amaralta in the meeting. In the presence of the sarpanch, the man was called and Mitanin explained him that if you ever hit your wife again we will send you to jail. The man apologised to the members of the committee, Mitanin, MT, Sarpanch and promised not to fight with his wife. On the second day, the man brought his wife back from the maternal home. Right now both the husband and wife are living well, they are not fighting anymore.

The committee taught a lesson to the husband who beat his pregnant wife

Village–Madakote, Panchayat–Kumhari, Block–Marwahi, District–Pendra

On July 17, 2020, a meeting of the Village Health, Sanitation and Nutrition Committee was ongoing in the village and in front of them a man from the village was strangling his 6 months pregnant wife to death. The members of the committee ran to his house and helped the wife and brought her out of the house. The members of the committee scolded and told the husband that women should not be beaten up and your wife has miscarried 3 times and she is pregnant for the fourth time,. She should be looked after properly. After listening to the committee, the husband said that she is my wife, I can do whatever I want to do with her, don't interfere in our matter. The members of the committee told the husband that we are calling on 112 now and they will take you directly to the police station and then they will send you to jail. The husband was shocked after witnessing the anger of the committee members. The husband apologised to the members of the committee that he would not beat his wife from now on.

The members of the committee told him that we are giving you one last chance, after that if you harass your wife, then without informing you we will call the police. After that day, the Mitanin keeps visiting the woman every now and then, so that she keeps getting information whether everything is fine or not.

Omvati – Mitanin Instructor, Shashi Kaivart–SPS

The husband who beat up his wife stopped it after being beaten up by the police

Ward No 63, Mongra Basti, Bhusdi Para, Korba

There is a family of husband wife and a daughter living in the para. After getting drunk, the man used to beat his wife a lot. The wife shared her painful experience with the mitanin, and the mitanin talked to the husband and tried to counsel him, but he did not listen to the mitanin. In fact, he has beat his wife more brutally. The Mitanin informed about this incident with the members of Mahila Aarogya samiti and then all the members of the committee went to women's house and told her husband that if he do not stop beating his wife, then they will report it to the police. But even then the man did not listen to them and kept beating his wife very badly. Disturbed and stressed by the beatings of her husband, the woman again came to the committee for help, and then the committee called in 112. Police came from 112 and tried to convince the man, but the man started arguing with the police that she is my wife I can do whatever I want to do with her, who are you to interfere in our life . After listening to him, the police took him to the police station. The next day the man came back from the police station and told to his wife and to the members of the committee that from now onwards he will never beat his wife again.

Bhagwati Plateau – Mitanin